वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 48 | बुधवार 12 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का बीसवां दीक्षांत समारोह आयोजित

कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों पर कृषि विश्वविद्यालय कार्य करे: राज्यपाल मिश्र

राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने स्नातक, स्नातकोत्तर व विद्या-वाचस्पति के कुल 1569 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधी

19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 03 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से किया गया सम्मानित

बीकानेर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिए विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करे। राज्यपाल मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुए किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाए। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नई तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई चने की मूमल किस्म,सिंचित क्षेत्र के लिए जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी आरएमओ-2251 के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और यूनाइटेड किंगडम द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

कुल 1569 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधी

विद्या मंडल सभागार में आयोजित समारोह में राज्यपाल ने कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय व सामुदायिक विज्ञान संकाय के स्नातक (यूजी) 2022-23 एवं आईएबीएम, कृषि संकाय व सामुदायिक विज्ञान संकाय के स्नातकोत्तर (पीजी) व विद्या-वाचस्पति (पीएचडी) के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए कुल 1569 विद्यार्थियों को उपाधी प्रदान की। इनमें से 1245 छात्र और 324 छात्राएं शामिल हैं। कुल 1569 विद्यार्थियों में से स्नातक के 1346, स्नातकोत्तर के 194 और विद्यावाचस्पति के 29 विद्यार्थियों को उपाधी प्रदान की गई।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने प्रतिबद्ध होकर कार्य करें युवा

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। समारोह में दीक्षांत अतिथि दीक्षांत अतिथि केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलाधिपति व कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष पद्मभूषण प्रो. राम बदन सिंह ने कहा कि मोटे अनाज से कुपोषण से निपटा जा सकता है और मोटे अनाज के कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत राजस्थान में होता है। लिहाजा भविष्य में राजस्थान को ही मोटे अनाज को लेकर विश्व की अगुवाई करनी पड़गी। जी-20 सम्मेलन में भी इसको लेकर चर्चा हुई। साथ ही कहा कि बीकानेर जिले की चारों यूनिवर्सिटी एक साथ मिलकर कार्य करे। कृषि को साइंस, तकनीक, इंजीनियरिंग व मैथ्य के साथ ही पढ़ाया जाए। इससे कृषि विषय को ताकत मिलेगी और देश का ही विकास होगा। प्रो. सिंह ने स्टूडेट्स से हमेशा बड़ा सोचने और सकारात्मक रहने को लेकर प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.बी.आर.छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई। इससे पूर्व कुलपति डॉ अरूण कुमार ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

श्रुत पंचमी महापर्व पर गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में मनाया गया श्री जिनसहस्त्रनाम विधान एवं चातुर्मास घोषणा महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्रुत पंचमी महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। प्रातः श्री जिनसहस्त्रनाम महार्चना का आयोजन हुआ जिसमें दीप, धूप फल के साथ भक्तों ने भक्ति का आनंद लिया। मंडल जी पर 1008 अर्घ्य समर्पित किये गए। तत्पश्चात चातुर्मास घोषणा महोत्सव की शुभ घड़ियां प्रारंभ हुई जिसका शुभारंभ चित्राणावरण, दीप प्रज्वलन व मंगलाचरण पूर्वक हुआ। गुरु माँ के पाद-प्रक्षालन का सौभाग्य सतीश काला मालवीय नगर जयपुर वालों ने प्राप्त किया। पूज्य माताजी के कर कमलों में शास्त्र भेंट करने का अवसर जयप्रकाश व प्रकाश जैन माँग्यावास जयपुर वालों ने प्राप्त किया। ससंघ माताजी को शास्त्र भेंट करने का अवसर सुरेश सेठी शांति नगर जयपुर वालों को मिला। पूज्य माताजी को चातुर्मास हेतु विवेक विहार, माँग्यावास, सिद्धार्थ नगर, मालवीय नगर जयपुर समाज ने, चाकसू व सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी की समाजों ने श्रीफल समर्पित किये। पूज्य माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि - चातुर्मास में साधु जीव हिंसा अधिक होने के कारण साधु - संत एक जगह प्रवास करते हैं। इस प्रवास में श्रावकों को धर्म करने का एक अच्छा अवसर प्राप्त होता हैं माताजी ने कहा कि - तीर्थों का निर्माण करवाना भविष्य में हमारी सुखी जीवन का निर्माण कराने जैसा है। आप सभी चातुर्मास की भावना लेकर यहाँ उपस्थित हुए है आपके लिए पूज्य गुरुवर का आशीर्वाद है क्योंकि चातुर्मास तो एक ही स्थान पर होगा इसलिए जिनके भी भाग्य में यह चातुर्मास जावे उनके पूण्य की अनुमोदना करें बाकी सभी हताश न होवें। पूज्य माताजी ससंघ का 2024 का विराग विज्ञामय चातुर्मास सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी (राज.) में होगा।

मन, शरीर व अन्त:करण को जीवंत रखने की संजीवनी, अमृता योग :स्वामी मोक्षमृता चैतन्य

राष्ट्रीय राजधानी के निवासियों ने सीखे, सदैव स्वस्थ व प्रसन्न रहने के सूत्र

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया। देश के प्रसिद्ध अमृता हॉस्पिटल के प्रांगण में आयोजित आई. ए. एम कार्यक्रम में एन. सी. आर. के पिपसुओ ने पूज्य अम्मा माता अमृतानन्दमयी देवी द्वारा अंवेषित योग साधना विधि से हर स्थिति में सहज व ऊजार्वान बने रहने के सूत्र सीखकर आनंद की अनुभूति की। कार्यक्रम का शुभारम्भ पूज्य अम्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर उनकी स्तुति से हुआ. अमृता हॉस्पिटल की सेवा टीम प्रमुख श्रीमती गुरमृता संधू ने स्वामी मोक्षामृता चैतन्य व स्वामी हषार्मृता चैतन्य का स्वागत कर उनका परिचय दिया. विगत 20 वर्षों से जारी इस साधना विधि के विषय में स्वामी हषार्मृता जी ने बताया कि देश की सेना, विद्यार्थियों, उच्चपदाधिकारीयों व गृहणियों को इस साधना विधि से शिक्षित कर उनके जीवन में सर्वांगीण विकास लाया गया है. यह ध्यान विधि पूर्ण वैज्ञानिक व पंथ निरपेक्ष है। उन्होंने 20 मिनिट की इस साधना के हर स्टेप को कर के दिखाया व साथ साथ सभी योग साधको ने कर आनंद लिया. इस क्रिया में शारीरिक व्यायाम के साथ साथ मानसिक व आध्यात्मिक जागरण सिखाया जाता है, जिससे साधक ऊर्जा, जीवंतता व शांति का अनुभव करते हैं. अंत में शवासन के माध्यम से देह को शिथिल कर ऊर्जा व शांति मिलती है। तीन घंटे के सत्र में योग की सभी क्रियायें साधकों ने आनंद व उत्साह से कीं. इनमें दिल्ली एन. सी. आर. के उद्यमी, डॉक्टर, इंजिनियर, शिक्षक, विद्वान-मनीषी व सामान्य नागरिक सम्मिलित हुए। यह कार्यक्रम पूरे विश्व में अम्मा की ओर से पूर्ण निशुल्क सिखाया जाता है, साथ में जलपान, स्वल्पाहार व्यवस्था व साहित्य भी आयोजकों की ओर से की जाती है. विश्व भर में अब तक 1 करोड़ से अधिक लोगों ने इस योग साधना विधि को सीखा है.इसकी बिशेषता यह है कि यह अत्यंत व्यस्त लोगों की जीवन चर्या को ध्यान में रखकर पूज्य अम्मा ने बनाया है. जहाँ अन्य योग विधियों में 45 मिनिट से दो घंटे का समय लगता है, यह मात्र 20 मिनिट में संपन्न होने वाली अनुपम योग साधना विधि है।

बालाचार्य निपूर्ण नन्दीजी महाराज के ससंघ टोंक चातुर्मास तय

टोंक. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य इन्द्रनन्दी जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य बालाचार्य निपूर्ण नंदी जी महाराज का टोंक में 2024 का वषायोग तय हो गया है। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान और कमल सर्राफ ने कहा कि मगंलवार को सुबह सकल जैन समाज टोंक के लोग सांगानेर स्थित चित्रकूट कॉलोनी में जैन मंदिर मे विराजमान बालाचार्य निपुण नंदी जी महाराज के समक्ष चातुर्मास के लिए श्रीफल भेंट किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने हम लोगों की है अभिलाषा टोंक नगर में हो चौमासा के जयकारा लगाये। संघ से चर्चा करने के पशचात बालाचार्य निपुण नंद जी महाराज ने टोंक नगर में चौमासा की घोषणा की इस मौके पर कमल सर्राफ पवन कंटान नरेंद्र छामुनिया ओम ककोड़ अंकुर पाटनी धर्मेंद्र जैन सकल दिगंबर जैन समाज टोंक व जिनधर्म प्रभावना समिति ने पादपक्षालन किया एवं शास्त्र भेंट किए इस मौके पर पदम आड़रा शामलाल जैन, भागचंद जैन, राजू सर्राफ, पप्पू नमक, कमल आड़रा, विमल बरवास, प्रदीप नगर, धर्म दाखिया, सुरेन्द्र अजमेरा, रमेश काला, ज्ञान संघी ओम तारा मोहम्मदगढ़, आदि महिलाएं काफी लोग उपस्थित थे।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जय जवान कॉलोनी में श्रुत पंचमी पर्व मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जय जवान कॉलोनी में श्रुत पंचमी के पर्व पर बच्चो और बड़ो ने मिलकर पूजन की, साथ ही बच्चो ने जिनवाणी का महत्व भी समझा। दस दिन के इस धार्मिक शिविर का आयोजन सुलेखा शाह और पारुल शाह ने आयोजित किया ।शिविर में 30 बच्चो और 15 महिलाएं ने भाग लिया।

ज्ञान की आराधना का श्रुत पंचमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला एंव युवामहिला संभाग अजमेर की आगरागेट ईकाई के तत्वावधान मे श्रुत पंचमी पर्व बहुत ही उत्साह के साथ मनाया गया।ईकाई अध्यक्ष अंजु गोधा व कोषाध्यक्ष मधु काला के संयोजन में सेठ भागचंद सोनी की नसिया से सुबह अति प्राचीन ग्रंथ षटखंडागम, धवला ,जय धवला ग्रंथ के साथ साथ जिनवाणी माता को ससम्मान एवम बहुत ही श्रद्धा के साथ समिति की सदस्याएं अपने सिर पर रखकर शोभायात्रा सोनीजी की नसिया से आगरा गेट होते हुए महावीर सर्किल पर स्थापित संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महा मुनिराज की दीक्षा स्थली कीर्ति स्तंभ पहुची वहा पर जिनवाणी माता के भजन व आचार्य विद्यासागर जी महाराज के गुणों का गुणगानुवाद किया तत्पश्चात पुनः जिनवाणी संग्रह को ससम्मान स्थापित किया गया। राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी व युवा संभाग अध्यक्ष सोनिका भैसा ने बताया कि तत्पश्चात सरावगी मोहल्ला स्थित महापूत जिनालय मे श्रुत स्कंध महामंडल विधान समिति संरक्षक निर्मला पांड्या के सानिध्य मे कल्पना मुकेश बडजात्या, अनिता व सुशील बडजात्या के सहयोग से किया गया । समाजश्रेष्ठी प्रतिभा सोनी सहित 50 से अधिक सदस्याए एवम अन्य जैन समाज की महिलाएं उपस्थित रही। समिति की मंत्री सरला लुहाडिया व भावना बाकलीवाल ने बताया कि इसी दिन आचार्य पुष्पदंत व आचार्य भूतबलि ने आचार्य धरसेन की सैद्धांतिक देशना को श्रुतज्ञान से स्मरण कर षटखण्डागम शास्त्र की रचना की थी ।इसलिए श्रुत पंचमी पर्व विश्व के सभी जैन धर्मावलंबी मनाते हे। विधान के मंत्रोच्चार पंडित विशाल भईया ने किए। कोषाध्यक्ष सुषमा पाटनी मंजु ठोलिया ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष शिखा बिलाला,युवा प्रकोष्ठ मंत्री रेणु पाटनी, मंजुला रावका, ललिता बडजात्या,अंजु बडजात्या, मधु गोधा,मनाली बडजात्या, अर्पिता जैन,कल्पना जैन आनंद नगर ईकाई की अध्यक्ष अंजु अजमेरा सहित कई सदस्याए उपस्थित रही ।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर थड़ी मार्केट मानसरोवर में श्रुत पंचमी महोत्सव का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर थड़ी मार्केट मानसरोवर में श्रुत पंचमी महोत्सव बहुत उत्साह व धूम धाम के साथ बनाया गया। जिसमें जिनवाणी सजाओ प्रतियोगिता भी रखी गई। एक भव्य जुलूस निकला गया जिसमें महिला व पुरुष वर्ग सजाई जिनवाणी को मस्तक पर रख कर चल रहे थे सबसे आगे विद्या वसु पाठशाला के बालक व बालिका जैन ध्वजा लेकर चल रहे थे तथा मुख्य ग्रंथ षट्खंडागम शास्त्र जी को पालकी में विराजमान कर बैण्ड बाजों के साथ जुलुस विभिन्न मार्ग होते हुए पुनः मन्दिर जी में प्रवेश किया। पंकज लुहाडिया ने श्रुत पंचमी महोत्सव के बारे में बताया। समिति मंत्री अनिल जैन ने बताया कि सांय मंदिर जी में श्रुत पंचमी से संबंधित प्रश्नोत्तरी तथा एक लघु नाटिका भी दिखाई जाएंगी।

वेद ज्ञान

'सहज कृपाला दीनदयाला'

स्वाभाविक रूप से धरती पर मौजूद सभी प्राणियों पर प्रभु सदैव कृपा करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वे 'सहज कृपाला दीनदयाला' हैं। हालांकि प्रत्येक प्राणिमात्र पर वे समान रूप से कृपा करते हैं। दरअसल वे कृपानिधान कृपा की दिव्य अलौकिक मूर्ति हैं। उन कृपामय की अनवरत अक्षुण्ण रूप से प्रवाहित कृपाधारा में सभी प्राणी समान रूप से अवगाहन कर सकते हैं। इसमें देश, काल और पात्र की अपेक्षा नहीं की जाती। मनुष्य इस प्रकार की सर्वसुलभ कृपा की गंगा में गोते लगाकर अपने को पवित्र नहीं कर पाता। मोह और अविद्या के अंधकार से घिरा वह उसके समीप भी नहीं जाता। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रशिक्षण अनुभव में आने वाली भगवत्कृपा ही प्राणिमात्र का परम अवलंब अथवा आधार है। भगवत्कृपा सुधामय प्राणी का प्राण है। कृपामय जीवन ही वास्तविक और सफल जीवन है। सवाल है कि प्रभु की मनुष्य मात्र पर बरसती कृपा का स्वरूप क्या है? उत्तर में सबसे पहले तो मनुष्य-शरीर की प्राप्ति ही उनकी कृपा का परिणाम है। भारत-भूमि में जन्म होना, स्वस्थ शरीर, शुद्ध धनोपार्जन, तीर्थों का भ्रमण, सत्संग और कीर्तन-भजन आदि उन्हीं की कृपा का प्रतिफल है। प्रभु की कृपा अनुकूल-प्रतिकूल समस्त परिस्थितियों में समान रूप से होती है। अनुकूल परिस्थितियों में वह है ही, किंतु प्रतिकूलता में छिपी भगवत्कृपा उस दवा के समान है जो सेवनकाल में अप्रिय प्रतीत होते हुए भी परिणाम में सुखद है। भगवत् प्राप्ति साधन-साध्य नहीं कृपासाध्य है। जैसे ढंके हुए पात्र में वर्षा का जल नहीं भर सकता, ठीक उसी प्रकार कृपा से लाभान्वित होने के लिए साधनों से यथासंभव मुख नहीं मोड़ना चाहिए। कृपाभिलाषिता बनी रहना मानवमात्र के लिए अभीष्ट है। सवाल है कि कृपाभिलाषिता का स्वरूप क्या हो? इसका उत्तर है कि अपने अभिमान को पूर्णतया भूलकर सतत्-साधन स्वरूप स्वधर्म का पालन करते हुए प्रभु की कृपा की बाट जोहना। साधक यह विश्वास रखे कि प्रभु ही इसका कर्ता-धर्ता है, उनकी कृपा से ही हमारी वर्तमान स्थिति है और भविष्य में भी उनकी कृपा रहेगी। कृपा-साधक स्नेहमयी भगवत् कृपा दृष्टि प्राप्ति करने के लिए सदैव उत्कंठित, लालायित और पिपासाकुल बना रहता है। इससे उसे ईश्वर की असीम कृपा प्राप्त होती रहती है।

संपादकीय

कश्मीर में आतंकी दहशत की बुनियाद

पिछले दस वर्षों में जिस तरह सुरक्षाकर्मियों, सैलानियों, श्रद्धालुओं और बाहर से मजदूरी वगैरह करने गए लोगों को निशाना बना कर हत्याएं की गई हैं, उससे यह सवाल निरंतर गाढ़ा होता गया है कि आखिर यह सिलसिला कब रुकेगा। जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों पर अंकुश लगाना चुनौती बना हुआ है। हालांकि केंद्र सरकार का दावा है कि अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटने के बाद दहशतगर्दी में भारी कमी आई है और आतंकी संगठन कुछ इलाकों तक सिमट कर रह गए हैं। मगर लगातार कुछ-कुछ अंतराल पर जिस तरह आतंकी घात लगा कर हमले कर रहे हैं, उससे इस दावे पर यकीन करना मुश्किल लगता है। आतंकवादी लगातार अपनी रणनीति बदलते देखे जा रहे हैं। वे कभी सशस्त्र बलों को निशाना बनाते हैं, तो कभी बाहरियों, कश्मीरी पंडितों को लक्ष्य बनाया जाता है। अब वहां जा रहे सैलानियों पर हमले हो रहे हैं। पिछले महीने पहलगाम में सैलानियों पर हमला किया गया था। अब कटरा जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक बस को निशाना बनाया गया, जिसके चलते बस खाई में गिर गई। इसमें नौ लोगों की मौत हो गई और इकतालीस से अधिक लोग घायल हैं। पर्यटन कश्मीरी लोगों की आजीविका का बड़ा आधार है। इस तरह के हमलों से पर्यटन पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे हमले नब्बे के दशक में बढ़ गए थे, मगर लंबे समय से सैलानियों को निशाना नहीं बनाया जा रहा था। अब ऐसा दिख रहा है तो इसकी वजहें भी साफ हैं। पर्यटकों पर हमले के पीछे आतंकवादी संगठनों का मकसद घाटी में बाहर के लोगों की आवाजाही रोकना होता है। बाहरी मजदूरों और कश्मीरी पंडितों को लक्ष्य बना कर हमले करने के पीछे भी उनका मकसद यही है। मगर अब जिस तरह बड़ी संख्या में सैलानियों और श्रद्धालुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उससे जाहिर है कि आतंकी लोगों में भय पैदा करना चाहते हैं। मगर इसे लेकर स्थानीय लोगों में किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दिख रही है, तो हैरानी की बात है, क्योंकि इससे उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ेगा। पिछले दस वर्षों में बेशक पत्थरबाजी और आंदोलन वगैरह की घटनाएं कम हुई हैं, आतंकी हमलों में मरने वालों की संख्या भी घटी है, मगर हकीकत यही है कि दहशतगर्दी किसी भी रूप में कम नहीं हुई है। दस वर्ष पहले और बाद के आंकड़ों की तुलना से साफ पता चलता है कि आतंकी हमले बढ़े हैं। इस दौरान बेशक बड़ी तादाद में आतंकवादी मारे गए हैं, मगर दहशतगर्दों की भर्ती में भी तेजी आई है। उन्हें स्थानीय लोगों का समर्थन बढ़ा है। इसलिए यह स्वाभाविक ही पूछा जा रहा है कि जब सीमा पर चौकसी बढ़ी है, तलाशी अभियान तेज हुए हैं, दहशतगर्दों की वित्तीय मदद पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, तो उन्हें भर्तियां करने और साजो-सामान जुटाने में कामयाबी कैसे मिल जा रही है। पिछले दस वर्षों में जिस तरह सुरक्षाकर्मियों, सैलानियों, श्रद्धालुओं और बाहर से मजदूरी वगैरह करने गए लोगों को निशाना बना कर हत्याएं की गई हैं, उससे यह सवाल निरंतर गाढ़ा होता गया है कि आखिर यह सिलसिला कब रुकेगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सिमटते जंगल

देश के अलग-अलग राज्यों के वन क्षेत्रों और उसके आसपास बसी इंसानी बस्तियों से तेंदुए या बाघ के हमले में लोगों के मारे जाने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। आम लोगों के सामने अपने स्तर पर बचाव के उपाय करने से लेकर सरकार से सुरक्षात्मक और वैकल्पिक इंतजाम करने की फरियाद करने के अलावा और कोई चारा नहीं होता है। दूसरी ओर, वन्यजीवों के संरक्षण से जुड़े कई प्रश्न भी बेहद अहम हैं, जिनके चलते कई बार इस समस्या का कोई ठोस हल निकालना मुश्किल होता है। लेकिन बाघ या तेंदुए के इंसानी बस्तियों में आ जाने या उनके हमले की वजह से होने वाली मौतें लगातार चिंता का विषय बनती गई हैं। महाराष्ट्र में सोमवार को राज्य के वन मंत्री ने विधानसभा में बताया कि वहां चंद्रपुर जिले में अकेले पिछले साल बाघों और तेंदुओं के हमले में तिरपन लोगों की मौत हो गई। हालांकि इस दौरान अलग-अलग घटनाओं में चौदह बाघों के अलावा भालू और मोर सहित पचास से ज्यादा अन्य वन्यजीव भी मारे गए। जाहिर है, वन्यजीवों और मनुष्य के बीच जीवन की स्थितियों में बदलाव और टकराव के चलते अब ऐसे हालात पैदा होने लगे हैं कि नाहक जान जाने की घटनाओं की निरंतरता बढ़ने लगी है। दरअसल, वक्त के साथ बढ़ती आबादी या अन्य वजहों से जंगल के आसपास के गांवों में रिहाइशी इलाकों का विस्तार हुआ है। इससे वन क्षेत्रों का दायरा कम होता गया है और जंगली पशुओं के प्राकृतिक पयार्वास के क्षेत्र सिमटते गए हैं। इसका सीधा असर वन्यजीवों के जीवन पर पड़ता है और उसमें बाघ या तेंदुए जैसे पशुओं के लिए भोजन से लेकर अधिवास तक के मामले में असहज स्थितियां पैदा होती हैं। इसके अलावा, वनों में अवैध शिकार करने वालों की वजह से भी संरक्षित पशुओं के सामने संकट खड़ा होता है। पारिस्थितिकी और जैव विविधता की कसौटियों और अनिवार्यताओं को समझने वाले तमाम लोग यह जानते हैं कि एक ओर जहां मनुष्य का जीवन अनमोल है, वहीं पशुओं और खासतौर पर कुछ विलुप्तप्राय जीवों का संरक्षण प्राकृतिक संतुलन के लिए कितना जरूरी है। लेकिन इस मामले में सरकार से लेकर आम लोगों तक की लापरवाही के अलावा अवैध रूप से जानवरों का शिकार करने वाले गिरोहों की ओर से जंगल और उसके आसपास के इलाकों में ऐसे दबाव पैदा हो रहे हैं कि उसमें रहने वाले कई पशुओं के भीतर असुरक्षा की स्थिति में आक्रामक प्रवृत्ति में बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि वन्यजीव खुद ही अपने लिए सहज और प्राकृतिक पयार्वास की ओर रुख करते हैं। लेकिन इस क्रम में उनका सामना इंसानी आबादी से होता है। बचाव की कोशिश में हुए संघर्ष की वजह से नाहक ही जान जाने के हालात पैदा होते हैं। कभी जंगली इलाकों का दायरा बड़ा था और इंसानी बस्तियों की भी सीमा थ। तब मनुष्य और पशु, दोनों को अपनी जीवन स्थितियों में एक दूसरे से बहुत बाधा नहीं आती थी लेकिन बढ़ती आबादी के साथ कृषि भूमि का विस्तार, शहरीकरण और औद्योगीकरण में वृद्धि के मकसद से जंगलों की कटाई की वजह से वनक्षेत्र सिकुड़ते गए। इसकी वजह से बाघ, तेंदुआ और हाथी जैसे कुछ पशुओं के अक्सर इंसानी बस्तियों की ओर चले जाने और मनुष्यों पर हमले की घटनाएं बढ़ीं। जरूरत यह है कि जंगल क्षेत्रों के आसपास रहने वाली इंसानी आबादी को वन्यजीवों की प्रकृति और पारिस्थितिकी संतुलन में उनकी अनिवार्यता के बारे में जागरूक किया जाए और साथ ही इंसानों के जीवन के लिहाज से खतरनाक पशुओं के लिए सुरक्षित अभयारण्यों को और बेहतर बनाया जाए।

श्रुत पंचमी पवित्रमती माताजी के संघ सानिध्य में मनाई गई

नौगामा. शाबाश इंडिया

नौगामा नगर में आज परम पूज्य विज्ञान मति माताजी की शिष्या पवित्र मति माताजी के संघ के सानिध्य में श्रुत पंचमी बड़े हर्षोल्लाह के साथ मनाई। प्रातः आदिनाथ मंदिर , भगवान महावीर समवशरण मंदिर जी, सुखोदय तीर्थ नसिया जी मैं मैं विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया अभिषेक के पश्चात श्री जी को गाजो बाजो के साथ पंडाल में लाया गया जहां पर बड़े भक्ति भाव से वाद्य यंत्रों की मधुर स्वरों के साथ परम पूज पवित्र मति माताजी के मुखारविंद से विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया अभिषेक की पश्चात श्रुत पंचमी की पूजन विधान का आयोजन किया गया विधान के मुख्य पात्र सो धर्म इंद्र पंचोरी अमृतलाल पन्नालाल कुबेर इंद्र रतनलाल मीठालाल महानायक दीपक अमृतसर , व तुभम प्रदीप, पंचोरी गांधी सुमति देवी रमेश चंद्र गीतांश विपुल, पंचोरी शिवानी कमल नानावती ईश्ववा अमित, पंचोरी हेमलता सुभाष चंद्र द्वारा मंगल कलश स्थापित किए गए दीप प्रज्वलित पंचोली आगम मौलिक संदीप करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ इंद्र के रूप में अनिता बेन रमलाल , पंचोली के सीमा चंपालाल को सौभाग्य प्राप्त हुआ इस अवसर पर मंडला बनाकर सभी इंद्र इंद्राणियों ने शुद्ध पंचमी के अथ चढ़ाऐ, एवं महाअर्ग बालिका मंडल पंचोली सुलोचना बेन दोसी नानावटी कुसुम लता सुभाष चंद्र क्रिया कौशिक बागीदौरा, व प्रसिद्ध गायकर कल्पेश जी और पार्टी के मधुर स्वरों के साथ नृत्य ज्ञान करते हुए विधान मैं धर्म प्रेमी बंधुओ ने लाभ लिया इस अवसर पर सांगानेर संस्थान से पधारे दीपेश शास्त्री पीयूष शास्त्री का सानिध्य प्राप्त हुआ विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी वीणा दीदी के दिशा निर्देशन में श्रुति पंचमी विधान का आयोजन हुआ उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

बापू नगर, भीलवाड़ा में श्रुत पंचमी महोत्सव मनाया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में श्रुत पंचमी महोत्सव मनाया गया। प्रकाश पाटनी ने बताया कि प्रातः श्रीशांतिनाथ एवं श्री पार्श्वनाथ भगवान पर श्रावकों ने बारी-बारी से अभिषेक करने के बाद चांदमल जैन, राजेंद्र सोगानी, पूनमचंद सेठी, सोनू जैन ने शांतिधारा की।इस उपरांत श्रुत पंचमी का अर्ग समर्पण किया गया।सभी महिलाओं ने अपने सिर पर जिनवाणी रखकर पुरुष-युवा हाथों में जैन ध्वज लेकर जयकारों के साथ जुलूस निकला। पुरुष,महिलाएं जयघोष करते भक्ति गीतों के साथ मुख्य मार्ग से गुजर कर जुलूस मंदिर प्रांगण पहुंचा। जिनवाणी लिए मंदिर की परिक्रमा करते महोत्सव संपन्न हुआ। इस उपरांत श्रावक- श्राविकाओ ने पूजा-अर्चना कर अर्ग समर्पण किये ।ट्रस्ट मंत्री पूनम चंद सेठी ने बताया कि आचार्य पुष्पदन्त एवं आचार्य भूतबली ने आज ही के दिन श्री षट्खन्डागम ग्रंथ की रचना को पूर्ण करके श्रुत परंपरा को आगे बढ़ाया। श्रुत पंचमी पर्व जिनवाणी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में धमार्लुगण उपस्थित थे।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा, जयपुर में श्रुत पंचमी समारोह का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा, जयपुर में श्रुत पंचमी समारोह के अन्तर्गत जेष्ठ शुक्ला पंचमी मंगलवार दिनांक 11 जून को प्रातः 7.30 बजे जिनवाणी यात्रा मंदिर जी से प्रारंभ होकर दुगार्माता मंदिर के सामने से इन्द्र सदन होकर मंदिर जी पहुंची। श्री दिगम्बर जैनाचार्य विद्या सागर पाठशाला दुर्गापुरा जयपुर द्वारा आयोजित समारोह की जिनवाणी यात्रा में मुख्य जिनवाणी सिंहासन में सुसज्जित थी तथा अन्य जिनवाणी श्रद्धालुओं ने सिर पर विराजमान कर धर्म प्रभावना कर रही थी, जिसमें पुरुष धोती दुपट्टा व सफेद कुर्ता पायजामा में, महिलाएं केसरिया साड़ी में बच्चे पाठशाला की ड्रेस में जुलूस की शोभा बढ़ा रहे थे जिनवाणी यात्रा का मुख्य आकर्षण बच्चों के द्वारा वाद्ययंत्र मधुर आवाज में बजाने का रहा। जिनवाणी यात्रा के मंदिर में पहुंचने के पश्चात श्रद्धालुओं ने पंडित अजित जी शास्त्री के मधुर स्वर में जिनवाणी की सामूहिक पूजा भक्ति भाव से की। कार्यक्रम में विद्वतजन, त्यागीजन एवं जिनवाणी की साज सज्जा करने वाले पंडित चंदन मल अजमेरा, राज कुमार सेठी, अजित शास्त्री, महावीर छाबड़ा, सुशीला सेठी, संतोष देवी गोधा का सम्मान डॉ मोहन लाल मणि, ताराचंद चांदवाड, कैलाश छाबड़ा, अक्षय बाकलीवाल, ट्रस्ट के मंत्री राजेन्द्र काला, कोषाध्यक्ष विमल कुमार गंगवाल, जयकुमार जैन, महिला मंडल की मंत्री रानी सौगानी त्रिशला संभाग की अध्यक्ष चंदा सेठी ने किये आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान श्रीमती पुष्पा सौगानी, संतोष देवी गोधा, चंदा सेठी, रिंकू सेठी, विमला पांड्या, का रहा, इनके समर्पण के लिए सभी ने तालियां बजाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में महावीर प्रसाद बाकलीवाल, दिलिप कासलीवाल, भाग चन्द बाकलीवाल, रमेश छाबड़ा, राकेश पांड्या, भाग चन्द पाटनी, संजय सोगानी, सुरेन्द्र काला, अशोक कासलीवाल, रेखा लुहाडिया, रेणु पांड्या, रेखा पाटनी, डॉ शांति मणि, छवि जैन रहे। ट्रस्ट के मंत्री राजेन्द्र काला ने समारोह में सहयोग प्रदान करने वाले एवं उपस्थित होकर धर्म प्रभावना के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के पश्चात शीतल पेय की व्यवस्था सुनील माया संगही की ओर से की गई।

12 जून

मोबाइल नंबर : 98290 63341

निवास : 477 एकता ब्लॉक, महावीर नगर, जयपुर (राज.)

श्रीमान सुरेंद्र कुमार जैन पांड्या

प्रमुख समाज सेवी, मुनिभक्त, भामाशाह

- राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष : दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन इंदौर
- राष्ट्रीय महामंत्री : दिगंबर जैन महासमिति
- पूर्व रीजन चेयरमैन (RC) : लायंस क्लब इंटरनेशनल
- पूर्व अध्यक्ष : दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर
- पूर्व अध्यक्ष : दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल
- संरक्षक : दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति
- अध्यक्ष : जन समस्या समिति , महावीर नगर
- उपाध्यक्ष : दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा, पदमपुरा
- उपाध्यक्ष : श्री दिगंबर जैन महावीर शिक्षा समिति

को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

शुभेच्छु : समस्त परिवार जन एवम मित्रगण

इंडियन ग्लोबल फाउंडेशन द्वारा विश्व शांति और अध्यात्म संगोष्ठी की गूंज दुबई में

मेहंदीपुर बालाजी के महंत नरेश पुरी जी महाराज का किया भव्य स्वागत

दुबई. शाबाश इंडिया

इंडियन ग्लोबल फाउंडेशन द्वारा दुबई में अध्यात्म की व्रहद्र चर्चा हुई। जिसमें दुबई के प्रमुख शेख और अप्रवासी भारतीय जो कि अलग अलग राज्यों का प्रतिनिधित्व करते है, ने भाग लिया। इस परिचर्चा में अप्रवासी भारतीय जिन्होने ने अपनी मेहनत के बल पर ना केवल दुबई में वरन यूएई में अपनी अगल पहचान बनाई है। ऐसी प्रतिभाओं ने हिस्सा लिया। इंडियन ग्लोबल फाउंडेशन दुबई चैप्टर के अध्यक्ष नवीन शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मेहंदीपुर बालाजी के महंत श्री नरेश पुरी जी महाराज और विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता एवं संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेहंदीपुर बालाजी के महंत श्री नरेश पुरी जी महाराज ने कहा कि ''वसुधैव कुटुम्बकम'' भारत के चिंतन का आधार है। उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य विश्व में श्री बालाजी महाराज की चमत्कारी शक्तियों से जनमानस को लाभ पहुंचाना है। इसके साथ ही उन्होंने सभी लोगो से श्री बालाजी महाराज के चरित्र को पढने और मनन करने का आग्रह किया और अप्रवासी भारतीयों को मेहंदीपुर बालाजी मे आकर आशीर्वाद लेने के लिये कहा। सबसे अच्छी बात यह रही कि सभी शेख बालाजी दर्शन करने आएंगे। नवीन शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में दुबई के शेख मिर्जा अल सईघ, मोहम्मद अल सईघ, याकूब अल अली, अहमद अल अवधी रूकनी, मखतूम अल मरजूकी ने भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर शेख मिर्जा अल सईघ ने कहा कि दुबई के सभी भारतीय हमारे भाई है। जिनकी वजह से आज दुबई का विकास हुआ है। इसके साथ ही उन्होने नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होने बताया कि दुबई धर्मनिरपेक्षता पर काम कर रहा है जिससे की यहां सभी धर्मो के लोग बडी संख्या में रहते है। उन्होंने भारतीयों से आग्रह किया की दुबई के लिये दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं। इस अवसर पर मारवाडी युवा मंच के रविंद्र अग्रवाल, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट इंडिया दुबई चैप्टर के चेयरमैन राजेश सोमानी, वाईस चेयरमैन जय अग्रवाल, कमेटी मेंटर अमित खेतान, टैक्सेशन सोसायटी के चेयरमैन निमिश मकवान, राजस्थान बिजनेस एंड प्रोफेशनल ग्रुप के चेयरमैन अशोक ओढानी, केशव कोठारी, वाइस प्रेसिडेंट रोमित पुरोहित, इंडियन ब्राह्मण कम्युनिटी के आलोक भार्गव, आईबीपीएस के सदस्य सहित सभी गणमान्य लोग उपस्थित थे। अंत में कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिये जेएम ग्लोबल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. जितेन्द्र मतलानी से सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर त्रिवेणी नगर में भव्य श्रुतपंचमी समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

पुस्तक पाठक संगम, जयपुर एवं श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर समिति तथा त्रिवेणी नगर महिला मंडल के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 11 जून को श्रुतपंचमी (प्राकृत) दिवस आज ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी को संत भवन, त्रिवेणी नगर जयपुर में मनाया गया। इस अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। दीपप्रज्वलन कर जिनवाणी माता की स्तुतिपूर्वक अर्घ समर्पित किया गया। श्रीमती बबीता लुहाडिया एवं बेला पाटनी द्वारा मंगलाचरण कर श्रुत पंचमी कार्यक्रम का शुभारंभ किया अनेक विद्वान विदुषियों द्वारा अपने व्यक्तव्य रखें गयें। श्रीमती मनीषा जैन, त्रिवेणी नगर की स्वाध्याय क्यों आवश्यक है? इस पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में श्रीमति प्रीति रारा ने भी श्रुतपंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुये श्रुताराधना कैसें की जातीहै। महेन्द्र जैन, त्रिवेणी नगर श्रुत पंचमी का प्रारंभ कब से हुआ। इस विषय पर अपने विचार रखें। अशोक पाटनी, निर्मला जैन, उर्मिला जैन, याजवेन्द्र ने कहा इस प्रकार विचार गोष्ठी से विचारो का आदान-प्रदान होता हैं, समारोह के विचार गोष्ठी के मुख्य वक्ता डाँ.सतेन्द्र कुमार जैन ने श्रुत पंचमी का महत्व

बतातें हुये कहां आधुनिक युग में क्या उपयोगिता हैं? वर्तमान पीढि तक श्रुत ज्ञान का प्रचार-प्रसार कैसे हों आदि विषय पर प्रकाश डाला।। विचार गोष्ठी समितिने बाहर से आये हुये अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। मंच संचालन पुस्तक पाठक संगम की ओर से डाॅ. दर्शना जैन ने किया। अल्पाहार की व्यवस्था श्रीमती मनीषा जैन, शैलेन्द्र कुमार जैन की ओर से की गई. गोष्ठी के अंत में महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती संतोष सोगाणी एवं श्रीमती वन्दना ने आभारएवं धन्यवाद देकर जिनवाणी स्तुति कर सभा समाप्त की।

आचार्य शशांक सागर जी का 24वां चातुर्मास मानसारोवर की पावन धरा पर होगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर जनकपुरी में विराजमान परम पूज्य आचार्य श्री शशांक सागर जी महाराज को चातुर्मास वर्ष 2024 के लिए श्री दिगंबर जैन समाज समिति वरुण पथ मानसरोवर जयपुर ने श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। समाज समिति के अध्यक्ष एमपी जैन ने बताया कि इस अवसर पर समाज के सैकड़ो महिलाएं एवं पुरुषों ने परम पूज्य आचार्य श्री के चरणों में श्रीफल भेंट कर चातुर्मास के लिए निवेदन किया। परम पूज्य आचार्य शशांक सागर जी ने जनकपुरी स्थित दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास 2024 श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में विराजमान मूल नायक भगवान महावीर 24 वें तीर्थंकर की शरण में करने की घोषणा की । चातुर्मास की घोषणा के साथ ही संपूर्ण मंदिर प्रांगण गुरुदेव के जयकारों से गूंजायमान हो गया सभी भक्तगणों के चेहरों पर मुस्कान के भाव आ गए। समाज समिति के मंत्री ज्ञान बिलाला ने बताया कि इस अवसर पर समाज समिति के एम पी जैन, पूरण चंद अनोपड़ा,ज्ञान बिलाला ,राजेंद्र सोनी, कैलाश सेठी, विनेश सोगानी ,मुकेश कांसलीवाल ,राकेश चांदवाड़ वीरेश जैन टीटी, नरेन्द्र कासलीवाल, अनील दीवान, सुरेश चंद जैन बांदीकुई निर्मल शाह,सतीश कासलीवाल, अजीत जैन बी ओ बी,पदमचंद जैन भरतपुर, गिरिश जैन, कमल गोदिका,प्रमोद बाकलीवाल, दिनेश जैन, हनुमान गंगवाल मानसरोवर महिला मंडल की अध्यक्ष सुशील टोंग्या ललीता अनोपडा,अंजू जैन, अनीता लुहाड़िया, कृष्ण जैन ,ममता कासलीवाल सहित अनेको साधर्मी बंधुओ ने अपनी गरिमामयी में उपस्थिति प्रदान की ।

सुश्री महिमा जैन

सुपुत्री श्री सतेंद्र- निरु जैन सुपोत्री स्वर्गीय
श्री छोटेलाल जी-प्रकाशी देवी जैन पांड्या खोरावाले

को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

शुभेच्छु

समस्त मित्रगण व परिवार जन खोरावाला पांड्या परिवार जयपुर

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

विश्व मंगल कामना और शांति यज्ञ के साथ सिद्धचक्र महामंडल विधान संपन्न

भव्य शोभायात्रा निकाली, नवंबर में होने वाले पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव मौक्षायतन कोटड़ी रोड़ में विराजमान होने वाली जिन प्रतिमाओं की भव्य अगवानी

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में धार्मिक नगरी में श्री पंचबालयति जिनालय खंडुपुरा में 2 जून से 11 जून तक पुण्यारजक प्रेमी परिवार द्वारा श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का 10 दिन तक आयोजन भक्ति भाव पूर्वक किया गया। विधान के समापन के अवसर पर मंगलवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें नगर में श्रुतपंचमी के पावन अवसर पर एंव नवम्बर माह में होने वाले मौक्षायतन कोटड़ी रोड़ जिनालय में श्री शांतिनाथ, कुंथुनाथ, अरहनाथ भगवान के भव्य पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में विराजमान होने वाले भव्य मनहारी जिन भगवन्तो का पिड़ावा नगर में अति उत्साह एवं भक्ति भाव के साथ मंगल प्रवेश हुआ। नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया। समाज के सभी घरों के सामने रंगोली बनाई गई व तोरण द्वार लगा कर प्रत्येक साधर्मी जिन भगवन्तो की अगवानी में पलक पांवड़े बिछाकर आनन्द से उत्साहित था। भक्ति भाव से झूमते, नृत्य गान करते हुए सभी सधर्मियों के भावों से मानो ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे आज ही जन्म कल्याण की शोभायात्रा निकल रही हो। रजनी भाई, बाल ब्रह्मचारी नन्हे भैया, संजय जेवर, अजीत जैन अलवर, विराग शास्त्री, अमित जैन, अरिहंत जैन, मनीष शास्त्री, आदि अनेक विद्वानों श्रेष्ठी वर्ग, एवं समस्त शास्त्री वर्ग की उपस्थिति एवं उत्साह से शोभायात्रा में मानो आनंद बरस रहा था। बैन्ड बाजों के साथ सौधर्म इन्द्र धनेश भाई शाह, चिराग भाई शाह कुबेर इंद्र राकेश प्रेमी परिवार आदि इन्द्र बागियों में बेठकर चल रहे थे। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि आगामी 12 नवम्बर से 17 नवम्बर तक होने वाले श्री आदिनाथ मज्जिनेंन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव श्री शान्ति नाथ, कुन्थनाथ, अरहनाथ नवीन जिनालय मौक्षायतन कोटड़ी रोड़ पिड़ावा में होने जा रहा है। जिसके लिए जिनेन्द्र भगवान की प्रतिमाओं की भव्य आगवानी के लिए नगर के प्रमुख मार्ग से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। विधान में प्रतिदिन भगवान का अभिषेक, जाप अनुष्ठान, दैनिक पूजन, सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान की संगीतमय पूजन, जिनेंद्र भक्ति, शास्त्र प्रवचन व विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सोमवार को अष्टम पूजा के संपूर्ण अर्घ पूर्ण कर जाप अनुष्ठान के साथ विश्व मंगल कामना व शांति यज्ञ किया गया। इसके बाद मंगलवार को नगर में शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें महिलाएं सिर पर मंगल कलश लेकर केसरिया साड़ी में और पुरुष वर्ग धोती दुपट्टे व सफेद वस्त्र में भक्ति करते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा पंचबालयति जिनालय खंडुपुरा से प्रारम्भ हुई। जो नगर के प्रमुख मार्ग पिपली चौक, शहर मौहल्ला, सेठान मौहल्ला, खंडुपुरा, नयापुरा होते हुए पुनः श्री पंचबालयति जिनालय खंडुपुरा पहुंची। जहां पर भगवान का अभिषेक किया गया। अभिषेक के पश्चात सकल दिगंबर जैन समाज व बाहर से पधारने वाले अतिथियों का वात्सल्य भोज श्री महावीर दिगम्बर जैन पाठशाला कटला खन्डुपुरा में हुआ। अंत में सकल दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष अनिल चेलावत, भारत भूषण प्रेमी, पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के संयोजक नागेश जैन की और से आभार प्रकट किया। इस समारोह में मुम्बई, इंदौर, उज्जैन, कोटा, झालावाड़, पाटन, भवानीमण्डी, आगर, सुसनेर, सोयत आदि स्थानों से श्रावक श्राविकाओं ने धर्म लाभ लिया।

श्रुतपंचमी का महापर्व दुर्लभ जैन ग्रन्थ व शास्त्रों की रक्षा का महादिवस पर पालकी यात्रा निकाली गई

दीपक प्रधान. शाबाश इंडिया

धामंनोद। धामंनोद जैन समाज ने आज श्रुतपंचमीजी के महापर्व पर समाज जंन ने भव्य चल समारोह जिसमे बेदी की विशेष सजावट कर उसमें जिनवाणी माता को विराजमान कर के बेदी को चार महिलाओं ने बोली लगाकर बेदी को उठाया व बहुत सी महिलाओ ने जिनवाणी की सजावट कर थाली में रखकर अपने मस्तक पर रखकर चल रही थी चल समारोह ढोल धमाकों के साथ नगर के मुख्य मार्गो से महेध्वर फाटे पर पहुचा मार्गो में जगह जगह बेदी पर विराजमान ग्रन्थ जिनवाणी की आरती समाजनो के द्वारा की जा रही थी। समाजजन व युवाजन जैन धर्म की ध्वजा लेकर चल रहे थे व जिनवाणी माता की जय जय के जयकारे भी लगा रहे थे । समाज अध्यक्ष महेश जैन व सचिव दीपक प्रधान ने बताया कि जुलुस जैन मंदिर पहुचा जहाँ भगवान का अभिषेक हुआ व श्री जी के मस्तक पर शन्तिधारा करने का सौभाग्य प्रशांत नरेंद्र जैन को मिला। धार्मिक प्रभारी प्रभा प्रधान ने बताया कि जिनवाणी माता का पूजन हुआ।

कलशाभिषेक, शान्ति धारा, पूजन विधान, जुलूस, आरती के साथ श्रुत पंचमी जिनवाणी पर्व धूमधाम से मनाया

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

श्री 1008 भगवान महावीर दिगम्बर जैन मंदिर डीडवाना रोड कुचामन सीटी के अध्यक्ष लालचंद पहाड़िया ने बताया कि श्रुत पंचमी महोत्सव पर्व बडे ही धूमधाम के साथ मनाया। सुबह विश्व शांति के लिए कलशाभिषेक शान्ति धारा के पश्चात सभी श्रावक श्राविकाओ ने महान आगम प्रथम ग्रंथ षटखडागम शास्त्र (आगम) को सिर पर रख कर मन्दिर से भव्य जुलूस निकाला। जिसमे जिनवाणी माता का बहुमान करते हुए सभी जैन ध्वज फहराते हुए चंवर ढोरंते हुए जिनवाणी मा का भजनो से गुणगान करते हुए चल रहे थे। श्रीमती मेना देवी, ममता स्वाति पहाडिया ने जिनवाणी माता को सिर पर ले रखा था साथ ही चिरजीलाल, विमल कुमार, अशोक, अमित पाटोदी कमलकुमार, महेन्द्र , निरज, विशाल, पहाड़िया भंवरलाल झाझरी तेजकुमार बड़जात्या, माणिक चन्द ,सन्तोष काला, सुरेश, पवन ,राजकुमार, मनौज पाडया, भागचन्द अशोक ,मनीष अजमेरा, मनीष, राजेश गंगवाल व श्राविकाए जुलूस की शोभा बढा रहे थे।

आचार्य शशांक सागरजी के सानिध्य में श्रुत पंचमी पर षट्खंडागम ग्रंथ को पालकी में विराजित कर किया मण्डल पर विधान पूजन

पाठशाला के विद्यार्थियों ने किया जिनवाणी सेवा कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी -ज्योतिनगर जैन मन्दिर में श्रुत पंचमी महोत्सव विशेष आयोजनों के साथ मनाया गया। प्रातः नित्य की शांति धारा के बाद आचार्य श्री 108 शशांक सागर महाराज जी ससंघ के पावन सानिध्य में भक्ति व साज बाज के साथ ज्ञान मति माताजी द्वारा रचित संगीतमय श्रुत स्कंध विधान पूजन विद्वान प्रकाश जैन द्वारा कराया गया। इससे पूर्व सौभाग्यवती महिलाओं सुलोचना पाटनी, अनीता बिंदायक्या, पुष्पा बिलाला व अर्चना जैन ने चतुष्ण कोणों के कलश स्थापित किए तथा मुख्य कलश कैलाश बिंदायक्या एवं मण्डल पर दीप प्रज्वलन ज्ञान चंद भोंच द्वारा किया गया। संगीत मय विधान पूजन का उपस्थित धर्म प्रेमी बंधुओ ने प्रसन्नता पूर्वक आनंद लिया। प्रबंध समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने आचार्य श्री को चातुर्मास हेतु श्रीफल भेंट करने वरुण पथ मानसरोवर से पधारे समाज जन का स्वागत किया तथा प्रबंध समिति ने तिलक माला के साथ सम्मान किया। आचार्य श्री ने श्रुत पंचमी का महत्व तथा जिनवाणी को सम्भाल कर रखने हेतु समझाया तथा माँ जिनवाणी के 108 अर्घ्य समर्पित कराये। जिनवाणी माता की आरती के बाद ग्रंथों को पालकी में ही लेजाकर यथा स्थान विराजित किया गया। प्रबंध समिति के अलावा महिला मण्डल व युवा मंच के कार्यकर्ताओं का पूर्ण सहयोग रहा। इधर दिन में श्रुत पंचमी के अवसर पर श्रुत आराधना के क्रम में पाठशाला के विद्यार्थियों द्वारा जिनवानी सेवा कार्य किया गया। जिनवानी पर कवर चढ़ाना, धूप में रखना, चावल आदि निकालना, कटी फटी जिनवानी सुधारना आदि कई कार्य किए गए।

चौमूं में श्रुत पंचमी पर जिनवाणी लेकर जुलूस निकाला

चौमूं. शाबाश इंडिया। नगर में सकल दिगंबर जैन समाज एवं महिला मंडल के तत्वावधान में प्रातः कालीन अभिषेक एवं शांति धारा के कार्यक्रम के पश्चात श्रुत पंचमी के पावन दिवस पर प्रथम बार जुलूस निकाला, जो शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर नया बाजार चौमूं से प्रातः प्रारंभ होकर चौपड़ त्रिपोलिया लक्ष्मीनाथ चौक देते हुए चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर लक्ष्मीनाथ चौक पहुंच कर संपन्न हुआ। जैन समाज प्रवक्ता पंकज बड़जात्या ने बताया कि आचार्य भुतबली जी के द्वारा रचित ग्रंथ षटखडागम की रचना जैन समाज के महान ग्रंथ जिनवाणी को जैन समाज द्वारा सर पर रखकर चंवर ढुलाते हुए नगर भ्रमण हुआ। कार्यक्रम के दौरान जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र जैन, निहालचंद जैन, रविंद्र जैन अजय जैन नेमीचंद जैन नितेश पहाड़िया नरेश पहाड़िया सुनील बडजात्या ज्ञानचंद जैन पारसमल कासलीवाल धन कुमार बड़जात्या अशोक बडजात्या सुरेश छाबड़ा महिला मंडल अध्यक्ष सुमन देवी पहाड़िया सरोज देवी शकुंतला देवी निमिषा पाटनी सुनीता चौधरी निर्मला देवी सरिता रारा मीना देवी अंतिमा देवी रविता देवी रेखा देवी ममता देवी सोनू देवी नीलू देवी छाबड़ा इत्यादि श्रावक श्राविकाए मौजूद थी।

हरियाणा के डॉ. सत्यवान सौरभ के दोहों का देश के सर्वश्रेष्ठ 64 दोहाकारों में चयन

दिल्ली, नारनौल. शाबाश इंडिया

श्वेतवर्णा प्रकाशन दिल्ली द्वारा प्रकाशित चर्चित दोहाकार रघुविंद्र यादव द्वारा संपादित राष्ट्रीय दोहा संग्रह 'प्रतिरोध के दोहे' के लिए हरियाणा के भिवानी जिले के सिवानी उपमंडल के गांव बड़वा निवासी युवा लेखक डॉ. सत्यवान सौरभ के दोहों को देश- विदेश में रह रहे हिंदी भाषी 64 दोहाकारों की सूची में शामिल किया गया है। इस संग्रह में तीन पीढ़ियों के दोहाकारों को शामिल किया गया है एवं इसका संपादन प्रसिद्ध दोहाकार रघुविंद्र यादव के द्वारा किया गया है। प्रतिरोध के दोहे संकलन का उद्देश्य मौजूदा दौर के रचनाकारों की देश और समाज के मुद्दों के प्रति क्या प्रतिबद्धता है; उसे पाठको तक पहुंचाना है। प्रतिरोध का आश्रय सत्ता या उसमें बैठे लोगों का विरोध करना नहीं है बल्कि उन्हें उनकी जिम्मेदारी, उनका दायित्व याद दिलवाना है, लोकतंत्र में यह आवश्यक हो जाता है। हमारे देश में तो राजशाही के जमाने में भी कवि इस दायित्व बोध को निभाते रहे हैं। डॉ. सौरभ के दोहों के प्रतिरोध की एक झलक देखिये-

जिनकी पहली सोच ही, लूट,नफा श्रीमान।
पाओगे क्या सोचिये, चुनकर उसे प्रधान।।
दफ्तर,थाने, कोर्ट सब, देते उनका साथ।
नियम-कायदे भूलकर, गर्म करे जो हाथ।।
गूंगे थे, अंधे बने, सुनती नहीं पुकार।
धृतराष्ट्रों के सामने, गई व्यवस्था हार।।
कब गीता ने ये कहा, बोली कहाँ कुरान।
करो धर्म के नाम पर, धरती लहूलुहान।।

डॉ. सत्यवान सौरभ हरियाणा के दैनिक संपादकीय लेखकों में से एक है। हाल ही में इनका एक दोहा संग्रह 'तितली है खामोश' भी आया है जो देशभर में काफी चर्चित रहा है। प्रतिरोध से हमारा आशय समाज, राजनीतिक धर्म, संस्कृति आदि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रथाओं पर प्रहार करना है। जहां कहीं भी जड़ता है। यह प्रतिरोध मात्र विरोध के लिए प्रतिरोध नहीं है बल्कि प्रतिरोध का यह स्वर आम आदमी की पीड़ा से होकर समाज एवं राष्ट्र को उन्नत स्थिति में ले जाने हेतु है। साहित्य में प्रतिरोध की चेतना बेहतर राष्ट्र। बेहतर समाज, बेहतर जीवन आदि का निर्माण हेतु संकल्प है। यह संकल्प हमें बाधाओं से लड़ने का साहस प्रदान करता है। डॉ. सत्यवान सौरभ की इस उपलब्धि पर सिवानी उपमंडल के साहित्यकारों, शिक्षकों, राजनीतिज्ञों और मित्रों ने शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। ॽप्रतिरोध के दोहेॽ संकलन के सभी प्रतिभागी दोहाकारों को बधाई और शुभकामनाएं। 152 पृष्ठ के इस पेपरबैक दोहा संकलन की कीमत 249/- रुपए है। लेकिन डाक खर्च सहित 199/- में उपलब्ध है। व्हाट्स ऐप नंबर 8447540078 जल्दी ही ऑनलाइन भी उपलब्ध हो जायेगी। इसमें देश के 64 दोहाकारों के दोहे संकलित हैं।

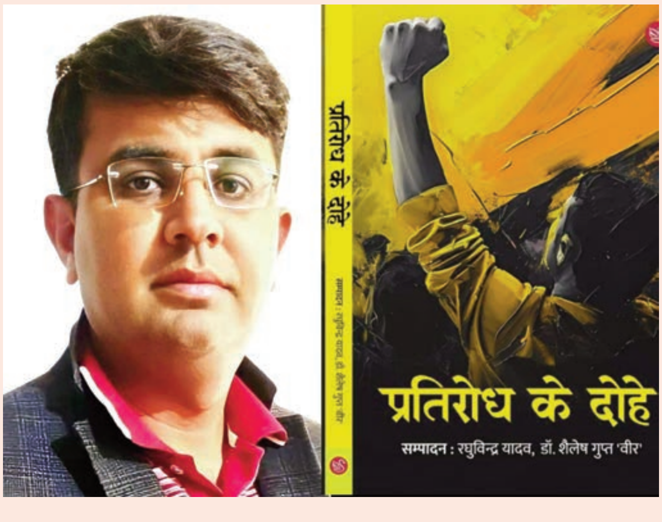

फागी में मनाया श्रुत पंचमी महोत्सव

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में सकल जैन समाज के तत्वाधान में आयोजित दस दिवसीय धार्मिक शिक्षण संस्कार शिविर में सातवें रोज जैन धर्म रक्षक पाठशाला के बच्चों के द्वारा पंडित विद्वत अंकित जैन के दिशा निर्देश मे अभिषेक, शांतिधारा तथा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की गई। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कर्तव्योदय शिविर के कार्यक्रम में जैन धर्म रक्षक पाठशाला के बच्चों को प्रातः ध्यान योग निर्देशक सत्येन्द्र झंडा, त्रिलोक जैन पीपलू एवं नीरज कुमार झंडा, अक्षिता बजाज, गरिमा जैन केकड़ी के द्वारा ने संयुक्त रूप से विशेष नित्य योग कक्षा, आर्ट कक्षा, एवं डांस कक्षा प्राणायाम सिखायें जा रहें हैं ।कार्यक्रम में विद्वत अंकित शास्त्री के दिशा निर्देश में सकल जैन समाज के तत्वाधान में श्रुत पंचमी महापर्व मनाया गया। पंडित अंकित जैन ने बताया कि श्रुत पंचमी का पर्व जैन धर्म का प्रमुख त्यौहार है। जैन धर्म के अनुसार इस दिन पहली बार जैन धर्म के ग्रंथ को पढ़ा गया था, मान्यताओं के अनुसार पूष्पदंत जी महाराज एवं मुनि श्री भूतबलि जी महाराज ने करीब 2000 वर्ष पूर्व गुजरात के गिरनार पर्वत की गुफाओं में ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी के दिन जैन धर्म के प्रथम ग्रंथ श्रीषट्खण्डागम की रचना को पूर्ण किया था,इसी कारण ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी को श्रुत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। कार्यक्रम में पंडित कैलाश कडीला ने अवगत कराया कि श्रुत पंचमी को प्राकृत भाषा दिवस के नाम से भी जाना जाता है,श्रुत पंचमी के पवित्र दिवस पर सभी श्रद्धालुओं द्वारा मंदिरों एवं घरों में रखे धर्म शास्त्रों, ग्रंथों की सफाई कर उनको सिलसिले वार रखा गया, कार्यक्रम में जिनवाणी मां को विराजमान कर पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम में समाजसेवी सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा ,संतोष बजाज,फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा,पंडित कैलाश कडीला, सत्येन्द्र झंडा, महेंद्र बावड़ी, रमेश बावड़ी, अनिल कठमाना, अशोक कागला, पारस मोदी,राजकुमार मांदी,त्रिलोक जैन पीपलू, नीरज झंडा, निखिल जैन लावा, तथा राजाबाबू गोधा एवं सुशीला झंडा,अंजू मंडावरा,सोना कठमाणा, रानी नला, अंजू मोदी, मीनाक्षी मांदी, रेखा झंडा , शिप्रा कासलीवाल,राज श्री कागला, आभा मांदी तथा प्रीति कलवाडा सहित सभी पदाधिकारी गण मोजूद थे।

सम्यक्त्व का मार्ग प्रकाशित करते हैं आगम

जयपुर. शाबाश इंडिया

जगतपुरा महल योजना स्थित दिगंबर जैन मंदिर में जिन सरस्वती की श्रुत पंचमी के अवसर पर उपस्थित धर्मावलम्बियों ने जिनवाणी, जिन आगम, शास्त्र आदि को श्रद्धापूर्वक अर्घ्य समर्पित किया। समिति समन्वयक अभिषेक सांघी ने बताया की धर्म, संस्कार एवं संस्कृति के संरक्षण, उत्थान में जिन आगम बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सभी आगम शास्त्रों की भारतीय संस्कृति सहित आधुनिक विज्ञान में भी बेहद उल्लेखनीय भूमिका रही है। इन के श्रद्धान, स्वाध्यायन से ना सिर्फ सांसारिक व्यस्था, लौकिक ज्ञान एवम संतुलित जीवन जीने की कला का मर्म मिलता है, साथ ही सम्यक दर्शन, ज्ञान, चारित्र द्वारा मोक्ष मार्ग पर अग्रसर होने के भी सूत्र मिलते है। इनके गूढ़ ज्ञान से बाह्य व्यक्तित्व विकास और भीतर अंतर्मन की यात्रा भी प्रशस्त होती है।

आचार्य सुनील सागर जी महाराज ससंघ को फागी में पावन चातुर्मास 2024 हेतु श्री फल भेंट

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे से आज अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा की अगवाई में मदनगंज किशनगढ़ में विराजमान आचार्य सुनील सागर जी महाराज ससंघ को फागी कस्बे में पावन चातुर्मास 2024 हेतु श्रीफल भेंट करने हेतु श्रद्धालुओं का एक दल गया। सकल जैन समाज फागी द्वारा मदनगंज किशनगढ़ में विराजमान आचार्य सुनील सागर जी महाराज स संघ को पावन चातुर्मास 2024 फागी में करने हेतु जयकारों के साथ सामूहिक रूप से श्रीफल भेंट कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया ।कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए कहा कि उक्त कार्यक्रम में अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा,सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा , फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा,गुणस्थली चकवाड़ा के कोषाध्यक्ष विनोद कलवाडा, पारस नला, अनिल कठमाना,पारस मोदी , तथा राजाबाबू गोधा एवं महिला मंडल की संतरा चोधरी , संतोष बावड़ी, सुशीला बावड़ी, मैना झंडा, मुन्ना अजमेरा,मुन्ना कासलीवाल,मंजू झंडा, गुणमाला झंडा,उर्मिला नला, चित्रा गोधा, शिमला नला ,कमला कठमाना, हेमलता बजाज,संतरा माधोराजपुरा, मीरा झंडा, शोभा झंडा,सुनिता कठमाना, सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

दिगंबर जैन मंदिर लार मे श्रुत पंचमी महापर्व भक्ति भाव से मनाया

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़। निकटवर्ति श्री 1008 दिगंबर जैन मंदिर लार मे श्रुत पंचमी महापर्व बड़े ही भक्ति भाव उमंग के साथ मनाया गया।प्रातःकालीन बेला मां जिनवाणी की भव्य शोभायात्रा निकली गई,जगह जगह मां जिनवाणी की आरती उतरी गई। शोभयात्रा मे पाठशाला के बच्चो द्वारा मां जिनवाणी के मधुर आबाज मे भजन प्रस्तुत किए गये। पंडित कमल कुमार शास्त्री द्वारा श्रुत पंचमी महापर्व का महत्व बताया ।श्रुत और ज्ञान की आराधना का यह पर्व हमें वीतरागी संतो की वाणी, आराधना और प्रभावना का संदेश देता है। कार्यक्रम मे नरेन्द्र जैन, पुष्पेंद्र जैन, विजय विसरद, राजेश, डाक्टर अरविन्द्र एवं पाठशाला के बच्चे समलित हुये।

अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज ससंघ पदविहार

कुलचाराम. शाबाश इंडिया

साधना शिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज ससंघ निरंतर विहार करते हुए महाराष्ट्र कर्नाटक से विहार करते हुए आज प्रात तेलंगाना की भूमि में प्रवेश किया । तेलंगाना गुरु भक्तों में खुशी की लहर चातुर्मास होगा कुलचाराम। इस अवसर पर आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने प्रवचन मे कहा कि आज का कड़वा सच तो यही है कि लोग धनपतियों को खूब इज्जत सम्मान देते हैं.. चाहे उनका चरित्र, इमान, इरादा और जीवन व्यसनों से क्यों ना परिपूर्ण हो..! पापी, दुष्ट, अधर्म, दुष्कर्म करने वाले, मन्दिर में सम्मान पाने लगे हैं। धर्म के ठेकेदार अब मधुशाला जाने लगे हैं। काक अब कोयल की मजाक उड़ाने लगे हैं। यदि ऐसा चलता रहा तो हमें, हमारे पुरखें कभी क्षमा नहीं कर पायेंगे,, और आने वाली पीढ़ियां भी कभी माफ नहीं कर पायेगी। जैनी भाईयों -- अपनी पहचान, अपनी आन, बान, शान की मुस्तैदी से रक्षा करो। आदर्शों और बुजुर्गों से जो विरासत में मिला है, उसकी सार-सम्हाल करो तथा उसे और अधिक समृद्ध करके आने वाली पीढ़ियों को सौंप दो। जैन समाज एक अहिंसक, शाकाहारी और शान्ति प्रिय समाज है। पुरी दुनिया में हमारी यही पहचान है और यह पहचान हमें दो चार दिन में नहीं मिली बाबू। इस पहचान को बनाने में हमने सदियों तपस्याएं और साधनाएं की है, तब कहीं जाकर हम इस मुकाम को हासिल कर पाये हैं। आज हमारी पहचान को ही हमारे अपनों से खतरा पैदा हो गया है। हमारे वजूद पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अनूप मण्डल जैसे और कितने मण्डल कुकुर मुत्तो की तरह डर से शांत बैठे हैं। अब हमें इस खतरे से आँख नहीं चुराना है, बल्कि इसका सख्ती से मुकाबला करना है। खतरा सामने आया हुआ देख कर आँख बन्द करके बैठ जाना और यह सोचना कि खतरा टल गया, तो ना समझी और नादानी की पराकाष्ठा होगी।और अभी हमारे समाज में यही हो रहा है। खतरा सिर पर है और हम पंथवाद, सन्तवाद, ग्रन्थ वाद एवं समाज वाद के मकड़जाल में उलझते जा रहे हैं। यही कारणों से हमारी नव पीढ़ी धर्म से गुमराह हो रही है, जैनत्व के मूल संस्कारों को समय के अनुसार खत्म करते जा रहे हैं। समझदारों के लिये इशारा ही काफी है।
-पियुष कासलीवाल नरेंद्र अजमेरा औरंगाबाद।

श्रुत पंचमी पर जिनवाणी की शोभायात्रा निकाली और मंदिरों में किया पूजन

सीकर. शाबाश इंडिया

जैन धर्मावलंबियों द्वारा शहर के जैन मंदिरों में मंगलवार को श्रुत पंचमी पर्व बड़ी धूमधाम से श्रुत पंचमी पर्व मनाया गया।मंगलवार सुबह समस्त मंदिर जी में श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, नित्य नियम पूजन, जिनवाणी माता की विशेष पूजन किया गया। विवेक पाटोदी ने बताया कि श्रुत पंचमी के दिन जैन धर्मावलंबी मंदिरों में प्राकृत, संस्कृत, प्राचीन भाषाओं में प्राचीन मूल शास्त्रों को शास्त्र भंडार से बाहर निकालकर, शास्त्र-भंडारों की साफ-सफाई करके, प्राचीनतम शास्त्रों की सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें नए वस्त्रों में लपेटकर सुरक्षित किया जाता है इन ग्रंथों को भगवान की वेदी के समीप विराजमान करके उनकी पूजा-अर्चना करते हैं व शोभायात्रा निकाली जाती हैं। सीमा दीवान ने बताया कि इस अवसर पर मंगलवार को प्रातः बावड़ी गेट स्थित बड़ा मंदिर में जिनवाणी दिवस (श्रुत पंचमी) पर विशेष पूजन, शांतिधारा की गई व विभिन्न धार्मिक आयोजन आयोजित किए गए ।विवेक पाटोदी ने बताया कि जाट बाजार स्थित दीवान जी की नसियां में जैन महिला मंडल द्वारा श्रुत पंचमी पर्व भक्तिभाव से मनाया गया। महिला मंडल अध्यक्ष गुड्डी जयपुरिया व मंत्री बबीता काला ने बताया कि इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा प्रातः जिनवाणी , प्राचीन ग्रंथों की शोभायात्रा निकाली गई। इसमें समाज के महिलाएं व पुरुष प्राचीन ग्रंथ को सिर पर लेकर चल रहे थे व जिनवाणी के जयकारे बोल रहे थे ।दीवान जी की नसियां मंदिर में इस अवसर पर श्रुत पंचमी विधान आयोजित किया गया, जिसका पुण्यार्जन सुवालाल महेश कुमार नरेश कुमार रमेश कुमार राजेश कुमार बड़जात्या परिवार द्वारा किया गया । नया मंदिर से पंडित जयंत जैन शास्त्री ने बताया कि श्रुत पंचमी के दिन जिनेंद्र भगवान के उपदेशों को मौखिक रूप से प्रवर्तित करके अक्षर रूप में शास्त्रों मे लिखा गया ।

रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी का हीरक जन्मजयंती हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ

श्रुतपंचमी पर्व विभिन्न कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न

अयोध्या. शाबाश इंडिया

श्री भगवान ऋषभदेव दिगम्बर जैन मन्दिर रायगंज जैन मंदिर में पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी का 75 वा हीरक जन्मजयंती महोत्सव अनेक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न किया गया सर्वप्रथम शास्त्रीजी को पालकी में विराजमान करके बैंड बाजे के साथ पालकी यात्रा निकाली गई। वरिष्ठ जैन साध्वी भारतगौरव चारित्रचन्द्रिका गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के ससंघ सानिध्य में पालकी यात्रा निकाली गई जिसमें सम्पूर्ण जैन साध्वियों एवं जैन श्रद्धालु मस्तक पर शास्त्र रखकर चल रहे थे बैंड बाजे के साथ यात्रा निकाली गई। मुख्य मन्दिर में विराजमान अगवान ऋषभदेव की 31 फूट उत्तुंग प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक सम्पन्न किया गया। जिसमें जल व दूध से भक्तों ने प्रतिमा का अभिषेक किया। इस अवसर पर जैन मंदिर धर्म पीठ के पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामी का 75वा हीरक जन्मोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया जिसमें सर्वप्रथम ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ, ध्वजारोहण के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जम्बूप्रसाद जैन गाजियाबाद एवं कुलाधिपति सुरेश जैन-मुरादाबाद के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। बाराबंकी महिला मंडल की महिलाओं के द्वारा स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया एवं इस अवसर पर पूज्य ज्ञानमती माताजी ने अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि पीठाधीश सदैव निरोगी दीघार्यु एवं स्वस्थ रहे एवं देश व समाज को अपनी सेवाएँ देते रहें। धर्म की सेवा में जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया ऐसे महान साधक के लिए आशीर्वाद। विजय कुमार जैन मंत्री अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी ने बताया कि पीठाधीश रवीन्द्रकीर्ति के 75वें जन्मोत्सव पर एक अभिनंदन ग्रंथ का प्रकाशन किया गया जिसका विमोचन आए हुए अतिथियों के द्वारा कराया गया इसी श्रृंखला में कुलाधिपति सुरेशचंद जी ने अपने उद्गार व्यक्त किए एवं इन्दौर से आए हसमुख जी गाँधी के द्वारा विन्यांजलि समर्पित की गई न्यायमूर्ति श्री के. यू. चाँदीवाल- औरंगाबाद (महा.) स्वामीजी के लिए अपनी विन्यांजलि समर्पित की कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं के अनेक पदाधिकारियों ने माल्यार्पण व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया एवं इस अवसर पर प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी ने पूज्य स्वामी के दीघार्यु व शतायु होने का मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन जीवन प्रकाश जैन-हस्तिनापुर ने किया।स्वामीजी ने पूज्य माताजी से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया एवं माताजी के चरण प्रक्षाल किए। ब्रचारिणी बहनों ने स्वामीजी के मस्तक पर रजत पुष्प क्षेपण किए इसी श्रृंखला में 75 थाल मेवा मिष्ठान फल आदि के सभी लोगों में वितरित किए गए इस अवसर पर बाराबंकी, फतेहपुर, दरियाबाद, गाजियाबाद, दिल्ली, मेरठ, लखनऊ, औरंगाबाद, टिवैश्तनगर, महमूदाबाद आदि स्थानों से भक्तगण पधारे। कार्यक्रम के अन्त में पीठाधीश रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी का चरण प्रक्षाल संघपति अनिल कुमार जैन-दिल्ली ने किया।

रिपोर्टः नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

पार्श्व जैन मिलन ने धुर्रा में मनाई श्रुत पंचमी

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

अशोकनगर। श्रुत पंचमी के पावन पर्व पर आज पार्श्व जैन मिलन अशोकनगर ने नगर से 15 किलोमीटर दूर ग्राम धुर्रा में जैन मंदिर की साफ सफाई अभिषेक शांति धारा करके मनाया गया। राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अतिवीर नरेश चंद्र जैन द्वारा बताया कि सम्पूर्ण विश्व में आज के दिन सभी जैन धर्म के अनुयाई बहुत ही उत्साह से मनाते हैं सुबह 7वजे धुर्रा ग्राम में पहुंचकर सेवा कार्य किया अभिषेक शांति धारा उपरांत मंदिर जी के लिए जिनवाणी की पुस्तकें व्यवस्थापक विनोद कुमार जैन को भेंट की। इसमें शाखा के अध्यक्ष वीर धीरेन्द्र जैन मंत्री नीरज जैन जिला प्रभारी वीर सुयोग जैन गोरव जैन पत्रकार सौरव जैन मनीष जैन प्रवीण जैन सहित सभी वीर के अलावा वीरांगना किरण जैन उपस्थित रहीं ।

डायमंड ग्रुप द्वारा वृक्षारोपण और पूल पार्टी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व पर्यावरण दिवस व वर्तमान की महती आवश्यकता के मद्देनजर दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप डायमंड के सदस्यों द्वारा दुर्गापुरा स्थित दुर्गा पार्क में सघन वृक्षारोपण किया गया जिसमें सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। संस्थापक अध्यक्ष यश कमल-संगीता अजमेरा द्वारा कार्यक्रम संयोजकों अरविंद-संगीता काला और आनन्द-वर्षा अजमेरा को धन्यवाद और आभार प्रेषित किया गया। इसी कड़ी में अध्यक्ष राजेन्द्र सेठी ने बताया कि सदस्यों को भीषण गर्मी से निजात दिलाने हेतु एक पूल पार्टी व रेन डांस कार्यक्रम ''बीट द हीट'' का आयोजन धार सालग्रामपुरा स्थित रिसोर्ट में किया गया ।सदस्यों ने पूल,रेन डांस और कई रोचक खेलों का भरपूर लुत्फ उठाया गया। नवआगंतुक सदस्यों व सभी सदस्यों के स्वागत की महती ज़िम्मेदारी संस्थापक अध्यक्ष यश कमल अजमेरा तथा पूर्व अध्यक्ष प्रमोद सोनी द्वारा उठाई गई। कार्यक्रम के अंत में दीपशिखा जैन द्वारा तैयार की गई थीम बेस्ड हाउजी खिलाई गई व लोटरी द्वारा चयनित कर दो अर्ली कमर कपल तथा दो भाग्यशाली कपल्स को पुरस्कृत किया गया ।सचिव अतुल -सुधा छाबड़ा द्वारा पधारे हुए सभी सदस्यों का,संयोजकों टीकम-दीपशिखा जैन अजमेरा और मनीष-मोनिका सौगानी का व संजय-आकृति वैद को धन्यवाद और आभार ज्ञापित किया गया ।

श्रुत पंचमी सबसे बड़ा पर्व : मुनि श्री महिमा सागर जी

तीन दिवसीय समारोह का हुआ समापन, निकली भव्य जिनवाणी शोभा यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

जिन आगम पंथ सदा जयवंत रहेगा श्रुत पंचमी पर्व जिन शासन का, श्रावकों का, दर्शन का सबसे बड़ा पर्व है श्रुतपंचमी के दिन इस महान पर्व पर श्रुत आराधना करते हुए, राजस्थान जैन साहित्य परिषद के तीन दिवसीय कार्यक्रमों के अंतर्गत आज प्रातः 7 बजे श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, घी वालों का रास्ता जौहरी बाजार से जिनवाणी रथ यात्रा आरंभ हुई। जिनवाणी रथ यात्रा में भगवान वर्धमान स्वामी की असीम अनुकम्पा और भव-भव के संचित पुण्य से जिन शासन के महान ग्रंथ राज श्री षट् खंडागम को जिनवाणी मां की इस भव्य रथ यात्रा महोत्सव में अपने शीश पर धारण करते हुए रथ पर विराजमान करने का सौभाग्य विजय कुमार, विकास कुमार, नीरज कुमार जैन परिवार को प्राप्त हुआ। जिनवाणी रथ यात्रा में रथ पर सारथी के रूप में विराजमान होने का सौभाग्य अशोक अभिनव आकाश काला परिवार को प्राप्त हुआ। जिनवाणी सेवक के रूप में प्रेमचंद प्रमोद कुमार मनोज कुमार गंगवाल रथ पर आरुढ हुए। जिनवाणी रथ यात्रा घी वालों का रास्ता, हल्दियों का रास्ता ,24 महाराज का मंदिर जौहरी बाजार, गोपाल जी का रास्ता ,लालजी सांड का रास्ता से होते हुए मनिहारों का रास्ता में, श्री दिगंबर जैन मंदिर संघीजी में पहुंचकर धर्म सभा में परिवर्तित हुई ।मार्ग में अनेक स्थानों पर श्रावक समाज ने मां जिनवाणी की आरती उतारी और भेंट प्रदान की ,जगह-जगह स्थान स्थान पर शरबत, शीतल जल, छाछ, लस्सी आदि की व्यवस्था समाज श्रेष्ठियों ने की। ऊक्त जानकारी देते हुए संयुक्त मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया रथ के ऊपर दो छोटे-छोटे बालक रिधान गंगवाल , आत्मिक जैन चमर ढुराते हुए अपनी श्रद्धा और भक्ति का परिचय दे रहे थे। जैन साहित्य परिषद के अध्यक्ष श्री डॉ.विमल कुमार जैन ने बताया आज की धर्म सभा में दीप प्रज्वलन संदीप शाह परिवार ने किया। धर्म सभा की अध्यक्षता पूनम चंद , कनक ,अभिषेक बैनाडा ने की। डॉ.माधुरी जैन ने श्रुत ज्ञान के ऊपर अपना उद्बोधन दिया। पश्चात द्वय आर्यिका माताओ का प्रवचन हुआ ।पूज्य मुनि श्री 108 महिमा सागर जी मुनिराज का आशीर्वाद संपूर्ण समाज को प्राप्त हुआ। मंत्री हीराचंद बैद ने बताया कि आज की धर्म सभा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेमचंद बडजात्या (भौंसा)ने पधार कर पुण्यार्जन किया। गोष्ठी संयोजक महावीर चांदवाड़ ने बताया समारोह में शास्त्र सजाओ प्रतियोगिता रखी गई थी जो भी महानुभाव सुंदरतम रूप में शास्त्र सजा कर लाये थे उन्हें प्रथम ,द्वितीय, तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।तथा सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए ।पुरस्कार प्रदाता सुनीता लोकेंद्र सोनीका योगेंद्र आयुषी रिधान गंगवाल परिवार थे। जिनवाणी रथ यात्रा में प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण अजमेरा, महेश चंदवाड सहितअनेक समाज श्रेष्ठी जन पद यात्रा करते हुए सम्मिलित हुए। रथ यात्रा में छोटे-छोटे बच्चे ध्वज लेकर आगे आगे चल रहे थे इन सभी बालक बालिकाओं को श्री डॉ.विमल कुमार जैन माधुरी जैन परिवार द्वारा उपहार प्रदान किए गए।

रिपोर्ट : रमेश गंगवाल

श्रुत पंचमी पर्व पर जिनवाणी को रजत पालकी में विराजित कर निकाली शोभायात्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

श्रुत पंचमी पर्व सुभाष गंज मैदान से श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में चांदी की पालकी में रजत शास्त्रों को विराजमान कर भव्य शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। जिसमें पाठशाला के नन्हे मुन्ने बच्चे के साथ ही माता बहनों ने अपने हाथो में जिनवाणी को सजा कर सहभागिता की। इसके पहले सुभाष गंज मन्दिर में प्रतिष्ठा चार्य वाल ब्रह्मचारी मुकेश भ इया के मंत्रोच्चार के साथ ही जिनवाणी की पूजा कर विभिन्न अर्घो का समर्पण जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा थूवोनजी कमेटी के उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र रोकड़िया ट्रस्ट कमेटी के उपाध्यक्ष सतीश राजपुर पूर्व कोषाध्यक्ष पदम कुमार वाझल पिम्मी आनंद जैन कटपीस सहित अन्य भक्तों ने किया इस दौरान प्रतिष्ठा चार्य मुकेश भइया ने कहा कि मां जिनवाणी का उत्सव वर्ष में एक बार आता है जिस हम सब को उत्साह से मनाना चाहिए आज के दिन तीर्थंकर की दिव्य देशना लिपिबद्ध करके उनकी महा पूजन की गई थी आज हम सब तीर्थंकर वर्धमान स्वामी के शासन में विराजमान हैं। उनके शासन को प्रवाहमान करने वाले अनेक आचार्य भगवंत हुए जिनसे ये श्रुत हम तक पहुंचा **शहर के प्रमुख मार्गो से निकाली भव्य शोभायात्रा:** इसके बाद सुभाष गंज से भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला के नन्हे मुन्ने बच्चे अपने हाथ में पचरंगा ध्वज लहराते चल रहे थे उनके पीछे श्री विद्यासागर महिला मंडल की वहने अपने हाथों कलश लेकर उनके पीछे श्री सुधासागरजी महिला मंडल एवं श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की वहने झाड़े लेकर चल रही थी इनके पीछे। रजत पालकी में मां जिनवाणी को विराजमान कर भक्त अपने कांधो पर लेकर चल रहे थे इस दौरान भक्तों ने स्थान स्थान पर आरती उतार कर श्री फल भेंट कर बहुमान किया।

कलाकुंज जैन मन्दिर में मनाया श्रुत पंचमी महोत्सव, भक्तों ने निकाली मां जिनवाणी की शोभायात्रा

आगरा. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज कलाकुंज के तत्वावधान में आगरा के मारूति स्टेट स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर कलाकुंज में में 11 जून को श्रुत पंचमी महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भक्तों ने सर्वप्रथम प्रभु का स्वर्ण कलशों से अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा की इसके बाद सौभाग्य शाली भक्तों ने मन्दिर परिसर से मां जिनवाणी को रजत पालकी में विराजमान कर ढोल नगाड़े के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में भक्तों ने जगह-जगह मां जिनवाणी की मंगल आरती कर और हाथों में चंबर लेकर नृत्यकर मां जिनवाणी का गुणगान किया। मां जिनवाणी की शोभायात्रा के मन्दिर पहुंचने पर भक्तों ने विधानाचार्य आशुतोष जैन शास्त्री जी के कुशल निर्देशन में अष्ट द्रव्य के साथ श्रुत पंचमी पूजन कर मां जिनवाणी की आराधना की। पूजन में मौजूद सभी भक्तों ने शशि जैन पाटनी के मधुर भजनों पर नृत्य किया। इस दौरान सौभाग्यशाली भक्तों ने मां जिनवाणी को मन्दिर जी में विराजमान किया। इस अवसर पर रविन्द्र कुमार जैन, राजीव जैन,अजय जैन,मुकेश जैन भगत,अंकित जैन,आशु जैन भगत, राजीव जैन,दीपचंद जैन,अजय जैन, शुभम जैन, समकित जैन,प्रियांशु जैन, ममता जैन,मंजरी जैन,करूणा जैन, रश्मि जैन,कविता जैन, समस्त कलाकुं ज जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। **-रिपोर्ट शुभम जैन**

अर्हं ध्यान योग शिविर का आयोजन

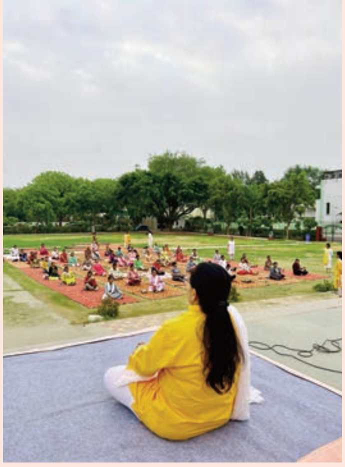

आगरा. शाबाश इंडिया

जून के महीने में ठंडा मौसम और तन-मन को शांति देने के लिए होता अर्हं ध्यान योग... ये नजारा था 11 जून को आगरा के डॉक्टर भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी के खंदारी कैंपस का, जहाँ 10 जून से अर्हम योग प्रणेता पूज्य मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एव माननीय कुलपति महोदय प्रो. आशु रानी जी के निर्देशन में योग महोत्सव के अतर्गत अर्हं ध्यान योग शिविर का तीन दिवसीय फ्री सेशन चल रहा है। अर्हं ध्यान योग प्रणेता मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज की प्रेरणा से यह आयोजन चल रहा है। तीन दिवसीय इस सेशन में दूसरे दिन स्ट्रेस, डायबिटीज और ब्लड प्रेशर से निजात दिलवाने के लिए लोगों ने प्रशिक्षकों के सानिध्य में योग कियो साथ ही आज कैसे अपनी जीवन शैली को तनाव मुक्त बना कर जीवन यापन करें विषय पर प्रशिक्षण जबलपुर(म.प्र.) से पधारे डॉ अमित जैन (राजा भैया) जी द्वारा दिया गया। डॉ अमित जैन जी ने बताया कि एक साधारण रबड़ को जितना खिचेंगे वो उतना खिचेगी पर तनाव के साथ खिचेगी और यदि उसको ढीला छोड़ दे तो तनाव मुक्त रहेगी, उसी प्रकार हमारा जीवन जितना तनाव उसको युक्त उसको खिचेंगे उतना जीवन में तनाव उत्पन्न होगा उतनी टेंशन बनेगी और तनाव होता भी है तो उससे फेस टू फेस लड़े-फाइट करें उससे डर कर अपने ऊपर हावी ना होने दें। शिविर के लिए लोग सुबह 5 बजे से ही खंदारी कैम्प के मैदान में एकत्रित हो कर शरीर लाभ ले रहें है। सत्र से पूर्व अक्षय जैन, सिद्धार्थ जैन व छाया जैन द्वारा सभी को योग व पंच मुद्रा और अर्हम क्लैप्स कराई। आज के सत्र में डॉ अखिलेश सक्सेना जी, प्रो मनु प्रताप जी, डॉ राजीव कुमार जी,राजीव जैन,विकास जैन,सतेंद्र जैन ,अरुण जैन,शुभम जैन,मोनी जैन,दीक्षा जैन,वर्षा जैन, ईशा जैन,अंजना जैन,अरुणा जैन, सीमा जैन,रचना जैन,ऋषभ जैन आदि लोग बडी.संख्या में उपस्थित रहे।

दिगम्बर जैन मंदिर आदिनाथ स्वामी बख्शीजी में श्रुत स्कंध मंडल विधान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन मंदिर आदिनाथ स्वामी बख्शीजी, बख्शीजी का चौक रामगंज बाजार जयपुर में श्रुत पंचमी के शुभ अवसर पर भव्य आयोजन किया गया। अध्यक्ष सुनील बक्शी ने बताया कि सुबह अभिषेक शांतिधारा की गई तत्पश्चात श्रुत स्कंध मंडल विधान का आयोजन किया गया।

महिला जागृति संघ द्वारा भजनों की प्रस्तुति

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला जागृति संघ की तरफ से आज बड़े दीवान जी के मंदिर प्रांगण में शशी जैन द्वारा लिखे हुए भजनों को बड़ी ही मधूर आवाज में सरोज छाबडा बेला जैन, शारदा सोनी, निर्मला, विमला जी, रुबी, कान्ता सोनी, गुणमाला जैन के द्वारा श्रुत पंचमी पर्व पर गाए गए।संस्था की अध्यक्ष शशी जैन व बेला जैन ने बताया हम हर वर्ष यह कार्यक्रम कर रहे हैं ।

नेमीसागर कालोनी में जिनवाणी शोभा यात्रा निकाली

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के ऐतिहासिक पर्व श्रुत पंचमी के शुभ अवसर पर नेमीसागर कालोनी में जिनवाणी शोभा यात्रा निकाली गई। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि कालोनी में निकाली गई शोभा यात्रा मे समाज के पुरूष एवं महिलाये जिनवाणी को शिरोधार्य कर ढोल नंगाडे के साथ मंगल गीत गाते हुए चल रहे थे। उल्लेखनीय है कि आज के दिन का जैन समाज में ऐतिहासिक महत्व है। आज के दिन ही प्रथम शास्त्र को लिपिबद्ध किया गया था। शोभा यात्रा पश्चात जिनवाणी सजाने के लिए श्रीमती मुन्नी ठोलिया, मंजू सेठी, प्रेम कासलीवाल एवं बीना बड़जात्या को पुरस्कृत किया गया।

श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन पल्लीवाल मंदिर में श्रुत पंचमी समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन पल्लीवाल मंदिर में श्रुत पंचमी के अवसर पर जैन समाज के सभी बच्चों व महिलाओं के द्वारा धूमधाम से प्रभात फेरी निकाली गई ।सजी हुई जिनवाणी व शास्त्र मे से सभी प्रतियोगियों को पुरस्कार दिए गए। महिलाओं में प्रथम आशिता गगंवाल द्वितीय नेहा पाटनी और तृतीय अशुं जैन रही। इन सबको पुरस्कार राजकुमारी वैद द्वारा दिए गए । मुख्य अतिथि नीलू पांड्या, प्रेम लता बोहरा थी। सुनीता अजमेरा, मीनू गगंवाल व आशा अग्रवाल द्वारा बच्चों को पुरस्कार दिए गए। दीप प्रज्वलन अध्यक्ष शिखर जैन व मंत्री पारस जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजिका सुनीता अजमेरा व अंकिता बिलाला द्वारा पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई ।

जैन श्रद्धालुओं ने मनाया श्रुत पंचमी समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्मावलंबियों द्वारा मंगलवार, 11 जून को श्रुत पंचमी पर्व भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में जिनवाणी पूजा, श्रुत स्कन्ध पूजा विधान, जिनवाणी सजाओ प्रतियोगिता सहित विशेष आयोजन किए गए। कई मंदिरों में जिनवाणी शोभायात्रा निकाली गई। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में जिनवाणी सजाओ प्रतियोगिता, जिनवाणी की पूजा सहित श्रुत स्कन्ध पूजा विधान किया गया। कई मंदिरों में संगोष्ठियों के आयोजन किये गये। जैन ने बताया कि 11 जून , दिन मंगलवार, ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी शुभ तिथि को श्रुत आराधना महापर्व-श्रुत पंचमी समारोह मनाया गया। कालवाड रोड पर श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर करघनी स्कीम में श्रुत पंचमी समारोह मनाया गया जिसके अंतर्गत पूजा विधान के बाद जिनवाणी शोभायात्रा निकाली गई। साथ ही कई मंदिरों में जिनवाणी पूजा, श्रुत स्कन्ध पूजा सहित संगोष्ठियों के आयोजन किये

श्रुत पंचमी के पर्व पर श्री आदिनाथ महिला मंडल ने निकाली जिनवाणी माता की शोभायात्रा

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। दिगंबर जैन समाज अम्बाह की ओर से श्रुत पंचमी का महापर्व धूमधाम से मनाया गया। कस्बे के सभी जैन मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इस मौके पर श्री आदिनाथ महिला मंडल द्वारा प्राचीन छोटे जैन मंदिर में श्रुत पंचमी के पावन अवसर पर ग्रंथों व शास्त्रों को चौकी पर रखकर उनकी पूजा की गई और जिनवाणी माता व अन्य ग्रंथों को सिर पर विराजमान कर गाजे बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। श्री आदिनाथ महिला मंडल की श्रीमती ऊषा राकेश जैन भंडारी ने बताया कि शोभायात्रा मंदिर जी से आरंभ होकर शहर भर का भ्रमण कर पुनः मंदिर जी पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में जैन समाज की महिलाएं एवं पुरुष मौजूद रहे जो शोभायात्रा में जिनवाणी माता को सिर पर धारण कर चले। श्रीमती भण्डारी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को हस्तलिखित ग्रंथों का ज्ञान कराया जाना अत्यंत आवश्यक है। श्रुत पंचमी के इस अवसर पर जैन समाज के लोगो ने दुर्लभ ग्रंथों एवं शास्त्रों की पूजा भी की।